# <u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

उत्तरकाशी, 20 जून, मर्णिकर्णिका घाट पर अविरल भागीरथी की मांग को लेकर आमरण अनशन पर बैठे प्रो. गुरूदास अग्रवाल के पास उत्तराखण्ड सरकार के उर्जा, आवास एंव शहरी विकास के सचिव शत्रुघ्न सिंह पहुचें तथा उन्हें स्वहस्ताक्षरित पत्र दिया जिसमें दिनांक 19 जून को कैबिनेट द्वारा लिए गए निर्णय की जानकारी दी। पत्र में यह बताया कि उत्तराखंड की सरकार गोमुख से उत्तरकाशी के मध्य भागीरथी की अविरल धारा के लिए कृतसंकल्प है और इसके लिए सभी संभव कार्यवाही करने के लिए तैयार है। इसी संकल्प के परिणाम स्वरूप भैरोघाटी (381 मेगावाट) तथा पाला–मनेरी (480 मेगावाट) को तत्काल प्रभाव से रोकने का निर्णय सरकार ने लिया है। डा. अग्रवाल ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए बताया कि वे सरकार के इस निर्णय के प्रति अभारी है तथा इस बात की उन्हें प्रसन्नता है कि उत्तराखण्ड सरकार ने भागीरथी की शुचिता एव अविरलता का महत्व स्वीकारा है परन्तु जब तक लोहारीनाग–पाला (600 मेगावाट) योजना भी केन्द्र सरकार या एन. टी. पी. सी. द्वारा निरस्त न की जाय, मै अपना अनशन का संकल्प छोड़ने को तैयार नहीं हूं। अब यह लड़ाई एन. टी. पी. सी और .केन्द्र सरकार से लड़नी होगी। इसमें शत्रुघ्न सिंह ने उत्तराखण्ड सरकार के समर्थन का मुझे विश्वास दिलाया है और इसके लिए भी मैं सरकार का आभारी हूं।

इस बीच अनशन के आठवें दिन प्रो. अग्रवाल से चिदानंद स्वामी व हंसदास महाराज मिलने पहुचें तथा उनका हालचाल पूछा। आज अनशन स्थल पर गोविन्दाचार्य व राजेन्द्र सिंह भी पहुचें तथा प्रो. अग्रवाल से विचार विमर्श किया। अनशन में सहयोग स्वरूप 1 दिन के उपवास पर आज प्रो. एस प्रकाश (राष्ट्रीय जल बिरादरी), अभिषेक स्वरूप, मो. जावेद जंग और सूर्यभान सिंह (हमारी वरूणा अभियान) ने अपना साथ दिया।

प्रो. अग्रवाल के अनशन व उनकी मांग का स्थानीय समर्थन बढ़ता जा रहा है। आज जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर गिरी जी अनशन स्थल पर पहुचें तथा अपना समर्थन दिया। स्थानीय लोगों में प्रमुख रूप से हेमंत ध्यानी, मीना श्रीवास्तव, जयहरि, भानु प्रकाश सिंह उपस्थित रहें।